भारत सरकार **लोक सभा**

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय **अतारांकित प्रश्न सं. 1467**

दिनांक 27 नवंबर, 2019 को उत्तर दिये जाने के लिए

^vkfl;ku* d lkFk eDr 0;kikj le>krk

1467- Jh xtkuu dhfrdj%
Jh fo|r cju egrk%
Jh lt; lnkf'kojko ekMfyd%
Jh irkijko tk/ko%
Jh lèkhj xlrk%

D;k okf.kT; vkj m|kx e=h ;g crkus dh dik djx fd%

¼d½ D;k Hkkjr u viu vkfFkd fgrk vkj {k=h; ikFkfedrkvk dk n[kr g,] {k=h; 0;kid vkfFkd Hkkxhnkjh ¼vkjlhbih½ l nj jgu dk fodYi puk g(

¼[k½ ;fn gk] rk rRlcèkh C;kjk D;k g vkj Hkkjrh; ?kjy cktkj ij bldk D;k iHkko iMu dh lHkkouk g(

¼x½ D;k ljdkj dk tkiku] nf{k.k dkfj;k vkj ^vkfl;ku* n'kk d lkFk eDr 0;kikj le>kr ¼,QVh,½ dh leh{kk dju dk fopkj g(

½?k½ ;fn gk] rk rRlcèkh C;kjk D;k g vkj bld D;k dkj.k g(

¼³½ D;k Hkkjr vefjdk vkj ;jkih; l?k d n'kk d lkFk 0;kikj le>kr dh lHkkouk, ryk'k jgk g(vkj

¼p½ ;fn gk] rk rRlcèkh C;kjk D;k g vkj bl lc/k e ljdkj }kjk D;k dne mBk, x, g@mBk, tk jg g\

उत्तर

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री

(श्री पीयूष गोयल)

(क) से (ख) : 4 नवंबर, 2019 को बैंकाक में आयोजित तीसरी आरसीईपी लीडर्स शीर्ष बैठक के दौरान, भारत ने उल्लेख किया कि क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी(आरसीईपी) की वर्तमान संरचना इसके मार्गदर्शी सिद्धांतों को प्रतिबिम्बित नहीं करती है या भारत के बकाया मुद्दों और चिंताओं का समाधान नहीं करती है, जिसके आलोक में भारत आरसीईपी में शामिल नहीं हुआ।

(ग) से (घ) : भारत ने आसियान और जापान दोनों के साथ अपने वर्तमान व्यापार समझौतों की समीक्षा की मांग की है। तथापि, वर्तमान व्यापक आर्थिक भागीदारी करार (सीईपीए) के उन्नयन के लिए दक्षिण कोरिया के साथ वार्ता के 8 दौर किए जा चुके हैं।

(ड़) एवं (च) : भारत और यूरोपीय संघ ने प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश करार (बीटीआईए) पर 2016 में अपनी वार्ता फिर से आरंभ होने के बाद से स्टॉक टेकिंग स्तर की 8 बैठकें आयोजित की हैं।

****